हादसा | इटका, गोंझी मार्ग पर सड़क हादसा, मानवता की मिसाल पेश कर डायल 112 ने पहुंचाया अस्पताल

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को रौंदा, हालत नाजुक

नैनपुर, नवभारत। क्षेत्र के इटका, गोंझी सड़क मार्ग पर गुरुवार सुबह लगभग 10 बजे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने मोटर साइकिल सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। इस दर्दनाक हादसे में युवक सड़क पर काफी दूर जा गिरा, जिससे बाइक सवावर युवक को गंभीर चोटें आई हैं।

जानकारी अनुसार घायल युवक की पहचान 19 वर्षीय आशिष पावले, निवासी ग्राम अतरिया के रूप में हुई है। बताया गया कि आशीष अपने एक रिश्तेदार को नैनपुर रेलवे स्टेशन छोड़ने गया था। वहां से लौटते समय वह किसी आवश्यक कार्य से गोंझी की ओर जा रहा था, इसी दौरान अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया।

डायल 112 की तत्परता से समय पर मिला इलाज

हादसे के बाद सड़क पर भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने बिना देर किए तत्काल डायल 112 को सूचना दी। सूचना मिलते ही आरक्षक मुकेश रंगडाले और पायलट लोकेश जंघेला कुछ ही मिनटों में मौके पर पहुँचे। उन्होंने मानवता दिखाते हुए घायल आशीष को तत्काल उठाकर सिविल अस्पताल नैनपुर पहुँचाया, जहाँ डॉक्टरों द्वारा उसका सघन उपचार किया जा रहा है।

पुलिस कर रही जांच

सड़क दुर्घटना की इस खबर के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। चिकित्सक ने बताया कि युवक की हालत फिलहाल गंभीर बनी हुई है। इधर नैनपुर पुलिस ने अज्ञात वाहन के खिलाफ मामला दर्ज कर चालक की तलाश शुरू कर दी है। स्थानीय निवासियों ने इस मार्ग पर अनियंत्रित रफ्तार पर लगाम लगाने की मांग की है।

शिकारियों के चंगुल से सुरक्षित निकला तेंदुआ

वायर के फंदे को काटकर तेंदुए का किया सफल रेस्क्यू, प्राथमिक उपचार के बाद जंगल में छोड़ा

भुआबिछिया, नवभारत। कान्हा टाइगर रिजर्व के अंतर्गत सिझौरा बफर जोन में वन विभाग की टीम ने तत्परता दिखाते हुए एक तेंदुए की जान बचाई है। ऑपरेशन वाइल्ड ट्रैप-2 के तहत गश्त कर रहे दल को चटुआखार बीट के कक्ष क्रमांक-1438 में वन-राजस्व सीमा के पास एक वन्यजीव की आवाज सुनाई दी। जब टीम ने पास जाकर देखा, तो खेत की बागड़ के पास लगाए गए एक वायर के फंदे में तेंदुआ फंसा हुआ था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए स्टाफ ने तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया। मौके पर सहायक संचालक सिझौरा, वन्यजीव चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप अग्रवाल और रेस्क्यू दल पहुंचे। क्षेत्र संचालक और उपसंचालक (बफर) के निर्देशानुसार, डॉ. अग्रवाल ने तेंदुए को निश्चेत किया। इसके बाद कटर की सहायता से सावधानीपूर्वक फंदे को काटकर तेंदुए को मुक्त कराया गया।

स्वास्थ्य परीक्षण के बाद सुरक्षित छोड़ा

बताया जाता है कि वन अमले की टीम द्वारा रेस्क्यू के बाद तेंदुए का स्वास्थ्य परीक्षण और नापजोख की गई। वन अमले की टीम ने प्राथमिक उपचार के दौरान पाया गया कि तेंदुए को किसी भी प्रकार की गंभीर चोट नहीं आई है। पूरी तरह स्वस्थ पाए जाने पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार तेंदुए को उसके प्राकृतिक आवास (जंगल) में वापस छोड़ दिया गया, जहाँ वह कुछ देर बाद स्वयं जंगल की ओर चला गया।

घटना स्थल का निरीक्षण कर मामला किया गया दर्ज

घटनास्थल का निरीक्षण क्षेत्र संचालक और उपसंचालक द्वारा किया गया और फील्ड स्टाफ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस मामले में वन विभाग ने वन अपराध प्रकरण क्रमांक 46529/06 दर्ज कर लिया है और दोषियों की तलाश के लिए अग्रिम कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

नि :शुल्क हेलमेट पाकर खिले वाहन चालकों के चेहरे

थाना बीजाडांडी के सामने पुलिस और जनप्रतिनिधियों ने बांटे हेलमेट, सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

बीजाडांडी। सड़क हादसों में होने वाली जनहानि को रोकने और आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पुलिस थाना बीजाडांडी के समक्ष एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पुलिस विभाग द्वारा दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट की उपयोगिता समझाई गई और उन्हें नि:शुल्क हेलमेट प्रदान किए गए।

कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी अनीता कुड़ापे ने वाहन चालकों को संबोधित करते हुए कहा कि हेलमेट केवल कानूनी औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन बचाने वाला सुरक्षा कवच है। पुलिस टीम ने चालकों को हेलमेट पहनकर वाहन चलाने का संकल्प दिलाया और भविष्य में नियमों का पालन करने की समझाइश दी। इस जागरूकता अभियान के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष डुमारी लाल कुम्हरे, पूर्व जनपद पंचायत उपाध्यक्ष हेमलता यादव, विकास यादव, अलका कुम्हरे, भागवत गौठरिया, राजेश तिवारी, विमलेश पाठक और फिरदौस खान विशेष रूप से उपस्थित रहे।

पुलिस टीम का रहा सहयोग

आयोजन को सफल बनाने में थाना प्रभारी अनीता कुड़ापे के साथ सहायक निरीक्षक पंकज विश्वकर्मा सहित पूरे पुलिस स्टाफ का सक्रिय योगदान रहा। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस की इस संवेदनशील पहल की सराहना की है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अतिथियों और पुलिस अधिकारियों ने संयुक्त रूप से बिना हेलमेट जा रहे चालकों को रोककर उन्हें सुरक्षा भेंट स्वरूप हेलमेट पहनाए।

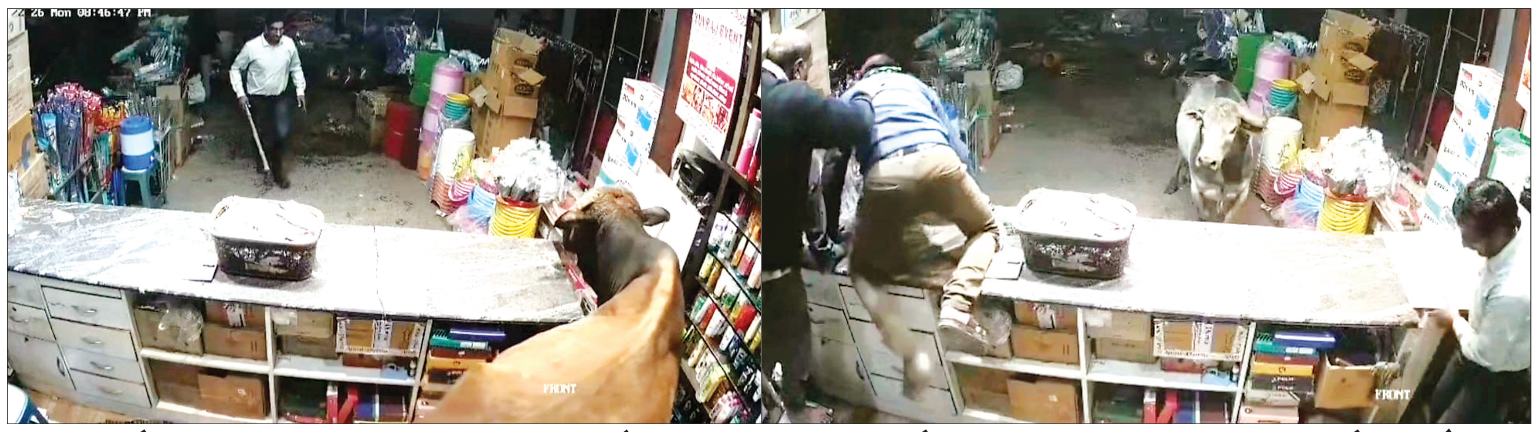

लड़ते हुए सांड़ दुकान के अंदर घुसे, बाल-बाल बचे लोग

नपा की कुंभकर्णी नींद बनी मुसीबत, व्यस्त चौराहों पर मवेशियों का कब्ज़ा, राहगीर और व्यापारी परेशान

मंडला। नर्मदा नगरी मंडला इन दिनों आवारा मवेशियों की समस्या से बुरी तरह कराह रही है। शहर के मुख्य चौराहों से लेकर तंग गलियों तक, हर जगह लावारिस पशुओं का डेरा है। आलम यह है कि सड़क पर पैदल चलना भी दूभर हो गया है, लेकिन नगर पालिका प्रशासन हाथ पर हाथ धरे बैठा है।

ताज़ा मामला शहर के हृदय स्थल का है, जहां दो सांड़ आपस में लड़ते हुए एक दुकान के भीतर जा घुसे। इस घटना से दुकान में रखे सामान का भारी नुकसान हुआ है। गनीमत रही कि उस समय वहां मौजूद लोग समय रहते पीछे हट गए, वरना कोई बड़ी जनहानि हो सकती थी। यह घटना प्रशासन के दावों की पोल खोलने के लिए काफी है।

हादसों को न्यौता देते व्यस्ततम चौराहे

शहर के व्यस्ततम चौराहों पर दिन-भर मवेशियों का जमावड़ा लगा रहता है। आलम यह है कि रात के समय अंधेरे में सड़कों के बीच बैठे ये पशु दिखाई नहीं देते, जिससे टकराकर दुपहिया वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो रहे हैं। वहीं दुकानों के ठीक सामने पशुओं के बैठने से ग्राहक दुकान तक नहीं पहुँच पा रहे हैं, जिससे स्थानीय व्यापारियों में गहरा आक्रोश है।

अधिकारियों की चुप्पी पर उठे सवाल

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी रोज़ाना इन्हीं रास्तों से गुजरते हैं, लेकिन समस्या को देखकर भी अनदेखा कर देते हैं। जनता अब यह पूछ रही है कि- 'क्या प्रशासन किसी बड़ी अनहोनी या किसी की जान जाने का इंतज़ार कर रहा है? बार-बार शिकायत के बाद भी कांजी हाउस और गौशालाओं की व्यवस्था क्यों नहीं सुधारी जा रही।

मंडला की जनता ने जिला प्रशासन और नगर पालिका सीएमओ से मांग की है कि युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर इन आवारा मवेशियों को सड़कों से हटाया जाए और सुरक्षित स्थानों पर भेजा जाए, ताकि शहरवासी निर्भय होकर आवागमन कर सके।

अब घुघरी में गूंजेगी गाड़ी वाला आया घर से कचरा निकाल की गूंज

विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने कचरा वाहन को दिखाई हरी झण्डी

घुघरी। मुख्यालय ग्राम पंचायत घुघरी में लंबे समय से चली आ रही स्वच्छता संबंधी समस्याओं का अब अंत होने जा रहा है। ग्रामवासियों को जिस पल का बेसब्री से इंतज़ार था, वह घड़ी आ गई है। पंचायत में कचरा संग्रहण हेतु नई कचरा गाड़ी (स्वच्छता वाहन) का आधिकारिक शुभारंभ कर उसे हरी झंडी दिखाई गई।

जनप्रतिनिधियों ने दिखाई हरी झंडी

इस अवसर पर आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में इस वाहन का विधि-विधान से पूजन और ओपनिंग की गई। इस कदम से अब पंचायत के हर वार्ड में कचरा प्रबंधन सुदृढ़ होगा और गंदगी से निजात मिलेगी।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

इस अवसर पर मुख्य रूप से विधायक नारायण सिंह भाजपा जिलाध्यक्ष रामप्रकाश साहू , जनपद अध्यक्ष जनिया बाई मरावी, जनपद उपाध्यक्ष सिहारे करचाम जिला पंचायत सदस्य कौशल्या मरावी व गीता मरावी सभापति नीरज मरकाम, सरपंच यशोदा मरावी सहित सुरेंद्र धुर्वे, रामकली प्रजापति, नेतराम साहू, स्वच्छता अधिकारी मनोज रहंगडाले और सचिव शिव कुमार मरावी,रोजगार सहायक बलवानी उर्वेदी की उपस्थिति में कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कपड़े एवं अनाज की जगह नगदी मांग रहे भिखारी

भिक्षावृत्ति रोकने चलाया जा रहा अभियान

जबलपुर। दीनबंधु अभियान के जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत आज दिनांक 29 जनवरी को दोपहर 3:30 से नौदरा चौक पर जागरूकता अभियान चलाया गया ।सभी नागरिकों से अपील की गई की दीनबंधु अभियान में सहयोग करें और शहर में भिक्षावृत्ति को रोकने हेतु अधिकारियों को नगद पैसा देना बंद करें।

जागरूकता अभियान के अंतर्गत यह भी बताया गया कि नगर निगम जिला प्रशासन एवं पुलिस के सहयोग से विजन जबलपुर द्वारा चलाए जा रही

अभियान में शहर में सड़कों पर छोड़े हुए निराश्रित जन के आवास एवं भोजन की व्यवस्था नगर निगम द्वारा की जा रही है। साथ ही दीनबंधु अभियान के अंतर्गत छोटे-छोटे बच्चे और बच्चियों जो भीख मांगते हैं उनको सामाजिक बुराई से बचाते हुए शिक्षा प्रदान करना भी शामिल है। परंतु जब तक नागरिक इन्हें भी। भिक्षा के रूप में नगद राशि देंगे तब तक यह लोग अपनी प्रवत्ति नहीं छोड़ेंगे और समाज के मुख्य धारा में नहीं जुड़ेंगे। इसलिए सभी जनता से अपील की गई की भिक्षुओं को खाना दें, पानी दें परन्तु नगद राशि देना तत्काल बंद करें।

खेलों से सामुदायिक एकजुटता का दिया संदेश

स्वच्छ आनंद उत्सव में खेलकूद के साथ गूंजा स्वच्छता का संदेश

शहपुरा। स्वच्छ भारत मिशन के तहत बुधवार को नगर परिषद द्वारा 'स्वच्छ आनंद उत्सव' का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य खेलकूद और मनोरंजन के माध्यम से आम नागरिकों और सफाई मित्रों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करना था।

उत्सव के दौरान पारंपरिक और मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ सफाई कर्मचारियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों और महिलाओं के लिए आयोजित चम्मच रेस और कुर्सी दौड़ ने सबका मन मोह लिया। इन पारंपरिक खेलों के जरिए सामुदायिक एकजुटता का संदेश दिया गया.

गीले और सूखे कचरे के महत्व को समझाया-जन-जागरूकता के लिए भी विशेष सत्र आयोजित किए गए। इस दौरान गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग करने के महत्व को समझाया गया।

उपस्थित सभी नागरिकों को अपने आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने और सिंगल-यूज़ प्लास्टिक का त्याग करने की शपथ दिलाई गई. शहर को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सफाई कर्मियों को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष खेल आयोजित किए गए। इस अवसर पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि एक व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। उन्होंने शहरवासियों से अपील की कि वे कचरा केवल डस्टबिन में ही डालें और स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 में अपने शहर को नंबर-1 बनाने में सहयोग करें.

सर्वसम्मति से दल सिंह धुर्वे बने कार्यवाहक अध्यक्ष

अमरपुर। विकासखंड अमरपुर क्षेत्रांतर्गत आदिवासी कांग्रेस भानपुर मंडल स्तरीय बैठक केशव प्रसाद बघेल की अध्यक्षता एवं केवल कृष्ण नेटी ब्लॉक अध्यक्ष, छत्तर सिंह नेताम जिला सचिव, राम सिंह मरावी ब्लॉक महामंत्री, भगवत सिंह पट्टा ब्लॉक महामंत्री के आतिथ्य में संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से आदिवासी कांग्रेस भानपुर मंडल स्तरीय कार्यकारिणी घोषित की गई। इसमें दल सिंह धुर्वे कार्यवाहक अध्यक्ष, मोहन मरावी उपाध्यक्ष, विमल मरावी उपाध्यक्ष, राम दयाल घुटिया उपाध्यक्ष, अमीर सैयाम महामंत्री, वीरेंद्र मरावी महामंत्री, बुध्दू सिंह पन्द्रे महामंत्री, चंद्रभान धुर्वे सचिव, सुरेश मरकाम सहसचिव, आंनदी धुर्वे प्रवक्ता, रनमत सिंह उईके प्रवक्ता, रामदीन मरकाम संगठन मंत्री, सुखचंद बघेल संगठन मंत्री, मनमोहन परस्ते महासचिव, मूलचंद पट्टा महासचिव, राय सिंह मरकाम कार्यकारिणी सदस्य, शंखू लफिया कार्यकारिणी सदस्य, प्रभुदीन करचाम पंचायत प्रभारी, कमला सण्डिया पंचायत प्रभारी, बुधराम परस्ते, हेमराम धुर्वे कार्यकारिणी सदस्य घोषित किए गए हैं।

200 साल पुराने सिद्धपीठ मंदिर की दहलीज पर लग रहा मटन-मछली बाजार

मुख्यमंत्री के आदेश कागजों तक सीमित, नैनपुर की दक्षिण मुखी हनुमान गढ़ी की पवित्रता पर संकट

नैनपुर। मध्यप्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पदभार संभालते ही प्रदेश में धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक स्थानों के पास खुले में मांस और मछली के विक्रय पर कड़े प्रतिबंध के निर्देश दिए थे, लेकिन नैनपुर मुख्यालय के बुधवारी बाजार क्षेत्र में इन नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। यहाँ करीब 200 वर्ष पुराना प्राचीन श्री सिद्धपीठ दक्षिण मुखी श्री हनुमान गढ़ी मंदिर स्थित है, जिसकी पावन परिधि में ही मटन और मछली का बाजार संचालित हो रहा है। यह न केवल प्रशासनिक उदासीनता का प्रमाण है, बल्कि हजारों धर्मप्रेमियों की आस्था पर सीधा प्रहार भी है।

स्थानीय निवासियों और श्रद्धालुओं का कहना है कि जिस स्थान पर आज मांस का बाजार लग रहा है, वह वर्षों पूर्व आवंटित किया गया था जब नैनपुर एक ग्राम पंचायत थी। आज परिस्थितियां बदल चुकी हैं। मंदिर और इस मार्केट की दूरी महज 30 मीटर है। मंदिर के पास ही शनि मंदिर भी स्थित है, जहाँ प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए पहुँचते हैं। विडंबना यह है कि श्रद्धालुओं को भगवान के दर्शन के लिए दुर्गंध के बीच से मुंह पर कपड़ा रखकर गुजरना पड़ता है। सावन सोमवार, नवरात्र, नर्मदा जयंती और राष्ट्रीय पर्वों पर भी यहाँ मटन-मछली का विक्रय बंद नहीं होता, जिससे धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुँच रही है।

नियमों को ताक पर रखकर हो रहा संचालन

नियम कहते हैं कि धार्मिक स्थलों, शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक मार्गों के पास मांस का खुले में विक्रय प्रतिबंधित है। यहाँ न केवल मंदिर है, बल्कि चारों तरफ स्कूल और क्लीनिक भी संचालित हैं। बावजूद इसके प्रशासन ने इस मार्केट को अब तक अन्यत्र शिफ्ट नहीं किया है। चौंकाने वाली बात यह है कि यहाँ हरी सब्जियों के साथ ही मांस का विक्रय किया जा रहा है, जो स्वच्छता और स्वास्थ्य की दृष्टि से भी गंभीर चिंता का विषय है। पूर्व में इसे शिफ्ट करने का प्लान भी बनाया गया, लेकिन वह फाइलों से बाहर नहीं निकल सका।

इनका कहना है

यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि नैनपुर के सबसे प्राचीन और जाग्रत सिद्धपीठ हनुमान मंदिर के पास मांस का बाजार लग रहा है। विश्व हिंदू परिषद इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। मुख्यमंत्री के स्पष्ट आदेश हैं कि मंदिरों के पास ऐसी गतिविधियां नहीं होंगी, फिर नैनपुर प्रशासन मौन क्यों है, हम चेतावनी देते हैं कि यदि जल्द ही इस मटन-मछली मार्केट को यहाँ से हटाकर कहीं और शिफ्ट नहीं किया गया, तो विहिप उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

रूपेश कुमार सोनी, नगर अध्यक्ष, विश्व हिंदू परिषद

हम किसी के व्यवसाय के विरोधी नहीं हैं, लेकिन स्थान का चयन पवित्रता को ध्यान में रखकर होना चाहिए। यहाँ मंदिर जाने वाली महिलाओं और स्कूल जाने वाले बच्चों को भारी परेशानी होती है। हम कई बार आवेदन-निवेदन कर चुके हैं, लेकिन जनप्रतिनिधि और स्थानीय प्रशासन कुंभकर्णी नींद में सोए हुए हैं। आस्था को ताक पर रखकर नियमों की बलि दी जा रही है। इस बाजार का तुरंत स्थाई समाधान निकलना चाहिए।

अखिलेश शुक्ला समाज सेवी